10. Social Approval सामाजिक अनुमोदन :— सामाजिक अनुमोदन भी बालकों को सिखने के लिए motivate करते है, उनके द्वारा अच्छा करने पर समाज में उन्हे प्रतिष्ठा मिलती है जो उन्हे तथा दूसरो को प्रोत्साहित करती है।

11. Educational and Vocational Goal. शैक्षिक एवं व्यवसायिक लक्ष्य :— Sears, Ratlor 1944, Crawford and strong आदि के अध्ययन से पता चलता है कि लक्ष्य का ज्ञान एवं प्राप्ती बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित करता है। सामान्य शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रो की अपेक्षा व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों में अधिक अभिप्रेरणा देखने को मिलती है।

इस तरह स्पष्ट है कि छात्रों के शिक्षण एवं शैक्षिक स्तर पर कई तरह के अभिप्रेरणाओं का प्रभाव पड़ता है।

Scanned with CamScanner

Scanned by TapScanner

जब हम इन परिभाषाओं का विश्लेषण करते पर निम्नलिखित बातें सामने आती

ⓐ अभिप्रेरणा शिक्षार्थी की एक काल्पनिक आन्तरिक अवस्था है

ⓑ अभिप्रेरणा में जो विशेष आन्तरिक अवस्था होती है उससे शिक्षार्थी में कुछ क्रियाएं उत्पन्न होती है।

ⓒ अभिप्रेरणा में उत्पन्न क्रियाओं (activities) मे एक दिशा (direction) होती है

ⓓ शिक्षार्थी में उत्पन्न अभिप्रेरणा-व्यवहार (Motivated behaviour) उद्देश्य या लक्ष्य की प्राप्ती तक जारी रहता है।

अर्थात व्यक्ति मे पहले आवश्यकता उत्पन्न होती है आवश्यकता से उत्पन्न आन्तरिक शक्ति व्यक्ति को Drive कराती है जो लक्ष्य की दिशा मे होती है तथा उस समय तक क्रिया शील रहती है जबतक लक्ष्य की प्राप्ती से संतुष्टि नही मील जाती

Need → Drive → Incentive (goal)

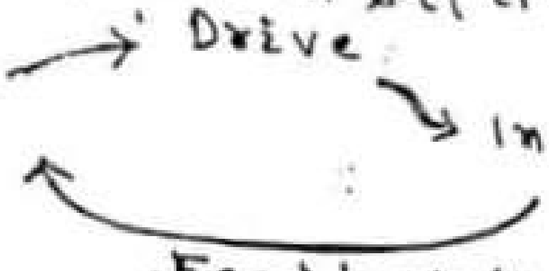

Feed back (Knowledge of result)

जैसे भूख व्यक्ति को खाने की तलाश करवाता है और यह तलाश उस समय तक जारी रहता है जब तक की व्यक्ति को भोजन आवश्यकता अनुसार न मिल जाए

ROLE OF MOTIVATION IN LEARNING

कहते है Motivation is the royal road to Learning सच तो यह है कि अभिप्रेरणा सीखने की प्रक्रिया के हृदय के समान है

Melton का कहना है कि "Motivation is an essential condition of learning."

Gates महोदय के विचार से "The Problem of Motivation lies at the very heart of a sound educational Programme.... Motivation is indispensable to learning"

Kelly का मत है कि "Motivation is the central factor of the Process of Learning. Type of motivation must be present in all Learning"

अतः यह कहा जा सकता है कि अभिप्रेरणा के अभाव मे शिक्षा प्रक्रिया सम्पन्न करना सम्भव नही! आवश्यक है कि शिक्षा के क्षेत्र में बालकों को अनेक स्तर पर अभिप्रेरित किया जाए। अभिप्रेरणा निम्नलिखित रूप से सीखने में अपनी भूमिका अदा करता है।

1. **Purpose or Intent to Learn** सीखने का उद्देश्य :— सीखने के उद्देश्य की जानकारी बालक को अभिप्रेरित करती है! जिन विषयों के सीखने के उद्देश्य की जानकारी बालक को नहीं होती वह उनके प्रति कम रूची लेते है।

2. **Significance of Attitude** अभिप्रेरणा में दृष्टिकोण का महत्व :— दृष्टिकोण अभिप्रेरणा को मार्ग देता है जो रुचियों और ध्यान से स्पष्ट रूप से सम्बन्धित होता है! दृष्टिकोण से नये अनुभवों की केवल तैयारी ही नहीं होती बल्कि अनुभव प्राप्त करने के लिए नई सीमाएं भी निर्धारित करता है।

Scanned with CamScanner

Scanned by TapScanner

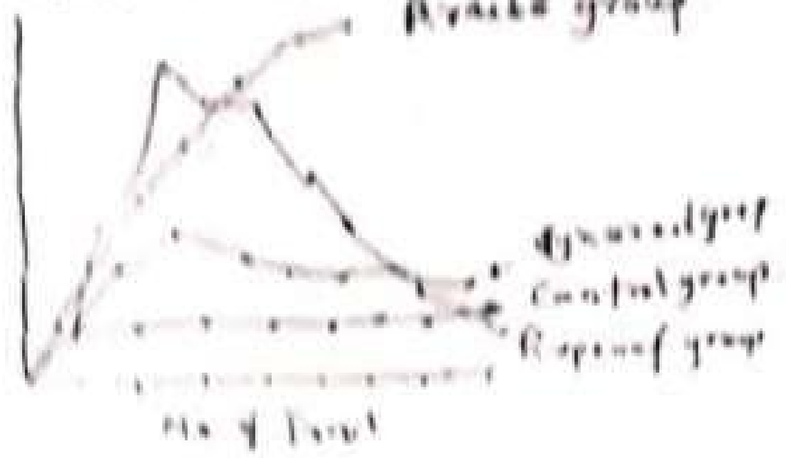

3. Praise and Reproof प्रशंसा और निंदा : प्रशंसा एवं निंदा का सीधा प्रभाव बालक के सीखने की अभिप्रेरणा पर पड़ता है। Skinner ने इसकी महत्ता पर बल डाला है Praise प्रशंसा से बालक को आनन्द की प्राप्ति होती है। जिसे पाने को वे आतुर रहते हैं परन्तु Reproof निंदा से उन्हें दुःख का अनुभव होता है जो वह पाना नहीं चाहते। Hurlock द्वारा किए गये प्रयोग के आधार परिणाम से इसे समझा जा सकता है

4. Attention, Interest & Enthusiasm.
ध्यान, रुचि और उत्साह :— बालकों में सिखाना इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है। रोचक विषय के प्रति बालकों का ध्यान आकर्षित कर उनमें रुचि विकसित कर सकते हैं और उनके अन्दर उत्साह भर सकता है जिससे अभिप्रेरित होकर बालक सफलता पूर्वक सीख सकते हैं।

5. Maturation परिपक्वता :— बालकों को कार्य उनकी परिपक्वता को ध्यान में रखकर उनके स्तर का दिया जाए तो वह अधिक अभिप्रेरित होता है। औपचारिक अधिगम (Formal Learning) तभी होता जब बालक शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक और सांस्कृतिक रूप से परिपक्व हो।

6. Will to Learn सीखने की इच्छा :— बालकों में सीखने के लिए इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है सीखने की सारी प्रक्रिया (spontaneous [illegible]) दोनों की इच्छा पर निर्भर रहता है जिसे प्रेरणा द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

7. Reward and Punishment पुरस्कार एवं दण्ड :— पुरस्कार एवं दण्ड आर्थिक हो या शारीरिक, द्वारा बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित किया जा सकता है। Thorndike एवं Thompson आदि के अध्ययनों से स्पष्ट पता चलता है कि पुरस्कार द्वारा अभिप्रेरित बालक शीघ्र सीख लेता है परन्तु दण्ड द्वारा शीघ्र हानिकारक हो सकता है। पुरस्कार देते समय भी सावधानी होनी चाहिए। छोटे एवं सरल कार्यों के लिए पुरस्कार देना आवश्यक नहीं है।

8. Knowledge of result and Level of aspiration :— परिणामों का ज्ञान, उच्च आकांक्षाएं
आत्म अभिप्रेरणा एवं आकांक्षा स्तर
और स्पष्ट उद्देश्य विद्यार्थी में आत्म-अभिप्रेरणा के लिए प्रोत्साहन का कार्य करते हैं। Judd, Thorndike, Cason, Angell, Kelly & Lewis के अध्ययन से पता चलता है कि Knowledge of result के द्वारा बालकों को अभिप्रेरित कर सकता है। परिणाम का ज्ञान जितना जल्द दिया जाए अच्छा है।

9. Competition प्रतियोगिता :— सीखने की प्रतियोगिताओं का प्रयोग अभिप्रेरणा के लिए बहुत ही प्रभावशाली रहा है। इन प्रतियोगिताओं से प्रमुख आवश्यकताओं की पूर्ति होती है व्यक्तिगत प्रतियोगिता की अपेक्षा समूह प्रतियोगिता अधिक आवश्यक है। इससे सहयोगिता भावना पैदा होती है।

CS Scanned with CamScanner

Scanned by TapScanner

MOTIVATION

* Meaning & Definition.
* Role of Motivation in Learning.

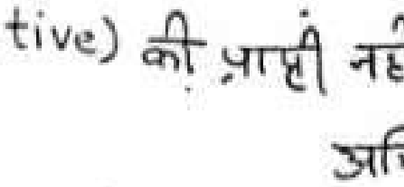

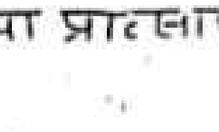

अभिप्ररणा एक आन्तरिक शक्ति (Internal Force) है जो व्यक्ति को या जिव को कार्य आरम्भ करने तथा बनाये रखने को प्रवृत या बाध्य करती है जो मनुष्य की आवश्यकता से प्रारम्भ होकर लक्ष्य की प्राप्ती तक चलती है।

व्यक्ति क्रिया शिल क्यों रहता कब तक रहता है? — जब जिव में आवश्यकता Need उत्पन्न होती है या किसी चीज की कमी (deficiency) होती है तब वह आवश्यकता या कमी की पूर्ती के लिए क्रियाशिल हो जाता है जिसे अन्तर्नोद Drive कहते है। (A drive is an original source of energy that activate the organism). जैसे भूख में (hunger drive), कामपिपासा में (Sex drive) आदि! यह अन्तर्नोद (drive) लक्ष की दिशा में उस समय तक चलता है जब तक लक्ष्य (goal) या प्रोत्साहन (Incentive) की प्राप्ती नहीं हो जाती!

अभिप्ररणा को परिभाषित करने के लिए बहुत सार मनोवैज्ञानिकों ने अपनी अपनी परिभाषाएं दी है जिनमें कुछ प्रमुख्य है।

According to Wood worth :→ "A Motivation is a state of the individual which disposes him for certain behaviour and for seeking certain goal."
"अभिप्ररणा व्यक्ति की दशा का वह समूह है जो किसी निश्चित उद्देश्य की पुर्ति के लिए निश्चित व्यवहार को स्पष्ट करती है।"

According to Mc Dougall :→ "Motives are Conditions physiological and Psychological within the organism that disposes it to act in certain ways."
"अभिप्ररणा वे शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक दशायें है जो किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित करती है।"

According to Baron, Byrne and Kantowitz :→ In Psychology we define Motivation as a hypothetical internal Process that Provides the energy for behaviour and directs it towards a specific goal."
"मनोविज्ञान में हमलोग अभिप्ररणा को एक काल्पनिक आन्तरिक प्रक्रिया के रूप में परिभाषित करते है जो व्यवहार करने के लिए शक्ति प्रदान करता है तथा खास उद्देश्य की ओर व्यवहार को ले जाता है।"

According to Reilly and Lewis :→ "Motivation is a Process in which the Learner's internal energies are directed towards various goal objective in his environment.... Arising from the basic need, motives are the energies which give direction and purpose to behaviour."
"अभिप्ररणा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें शिक्षार्थी की आन्तरिक शक्ति वातावरण के विभिन्न लक्ष्य वस्तुओं की ओर निर्देशित होता है .... हम लोगों की मूल आवश्यकताओं से उपजकर अभिप्ररणा एक ऐसी शक्ति के रूप में कार्य करता है जो व्यवहार का एक उद्देश्य एवं दिशा प्रदान करता है।"

Nilam

Scanned by TapScanner